

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि अगली पीढ़ी के बुनियादी ढांचे के लिए भारत का प्रयास सतत और दीर्घकालिक दृष्टि से प्रेरित है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा कि यह आत्मनिर्भर भारत की नींव रख रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बुनियादी ढांचे में क्रांति के ग्यारह साल हो गए हैं। इस दौरान बेहतरीन बुनियादी ढांचे बनाए गए हैं। इससे भारत के विकास में गति आई है। उन्होंने कहा कि रेलवे से लेकर राजमार्ग और बंदरगाह से हवाई अड्डे तक भारत का तेजी से फैल रहा बुनियादी ढांचा नेटवर्क जीवन को आसान बना रहा है और समृद्धि को बढ़ा रहा है।

भारत में पिछले एक दशक में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के सिद्धांतों का पालन करते हुए महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। आकाशवाणी समाचार पिछले ग्यारह वर्षों में देश में विभिन्न क्षेत्रों में सरकार के कार्यों पर विशेष फीचर प्रस्तुत कर रहा है। इसी क्रम में आज हम आपको बताएंगे कि किस प्रकार सुधारों और अन्य उपायों से प्रत्येक नागरिक का जीवन सुगम, सुरक्षित और सम्मानित बना है।

प्रधानमंत्री आवास योजना की शहरी श्रेणी के अंतर्गत एक करोड़ 16 लाख से अधिक घरों को मंजूरी दी गई है और लगभग 93 लाख घर पहले ही पूरी हो चुके हैं। स्मार्ट सिटी मिशन ने सात हजार पांच सौ 45 स्वीकृत परियोजनाओं में से 93 को पूरा करके बुनियादी ढांचे को बदल दिया है। बीते एक दशक में मेट्रो नेटवर्क का विस्तार चार गुना बढ़ा है। वर्ष 2014 में मेट्रो नेटवर्क 248 किलोमीटर था, जो अब बढ़कर एक हजार किलोमीटर से अधिक हो गया है। वहीं, उड़ान योजना के अंतर्गत छह सौ 25 मार्गों के माध्यम से 88 हवाई अड्डों का जुड़ाव हुआ है, जिसने आम लोगों के लिए हवाई यात्रा को सस्ता और सुलभ बना दिया है। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत अब तक 41 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किए गए हैं। वहीं, जन औषधि केंद्रों की संख्या अब 16 हजार से अधिक हो गई है। डिजीलॉकर जैसे प्लेटफॉर्म से अब तक 52 करोड़ लोग जुड़ चुके हैं। इस प्लेटफॉर्म ने लोगों को जरूरी कागजात को साथ रखने की चिंता को दूर किया है। वहीं आठ करोड़ से ज्यादा उपयोगकर्ताओं वाला उमंग ऐप, दो सौ से ज्यादा विभागों की सेवाएं एक ही जगह पर उपलब्ध करवा रहा है। रहीसुदीन रिहान के साथ अमन यादव, आकाशवाणी समाचार, दिल्ली।

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने केंद्र सरकार के ग्यारह वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आज वाराणसी में पत्रकारों से बातचीत कर सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली सरकार में भारत दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर और भारत के सैन्य प्रदर्शन की प्रशंसा की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न देशों में जिस प्रकार से पहलगाम के आतंकवादी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद आतंकवाद का सफाया करने की आवश्यकता के संबंध में भारत के विचारों को प्रस्तुत किया उस पर उन्हें गर्व है।

प्रधानमंत्री ने पिछले कुछ हफ्तों में विश्व के तैंतीस देशों की यात्रा करने वाले बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से कल मुलाकात की, जिसमें सांसद और पूर्व राजनयिक शामिल थे।

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य लोगों की अंतरिक्ष यात्रा का एकजिओम-4 मिशन एक बार फिर तकनीकी कारणों से स्थगित हो गया है। इस मिशन को लखनऊ के शुभांशु शुक्ला लीड कर रहे हैं। अमरीकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने कहा है कि रॉकेट की मरम्मत का काम पूरा होने के बाद इस मिशन की नई तारीख की घोषणा की जाएगी।

आज महान कवि और समाज सुधारक संत कबीर की जयंती है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। संत कबीरदास जी ने अपनी साखियों और दोहों के माध्यम सामाजिक समानता, शांति और भाईचारे पर बल दिया। उन्होंने कहा जाति न पूछो साधू की, पूछ लीजिए ज्ञान और लोगों से अपील की वे धर्म और जाति से ऊपर उठकर लोगों को ज्ञान के आधार पर मानें उनका सम्मान करें। उनकी बातें आज सदियों बाद भी उतनी ही प्रभावी हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज मुजफ्फरनगर जिले में संत स्वामी ज्ञान भिक्षु दास जी महाराज की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर आयोजित संत समागम और सत्संग कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में दिव्य संतों ने हमेशा एकता की राह दिखाई है। यह वही राह है जो हमें सुरक्षा की गारंटी देती है। हमारे संरक्षण की भी गारंटी देती है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर इक्कीस जून को होने वाले योग संगम की मेजबानी के लिए देश भर से पचास हजार से अधिक संगठनों ने पंजीकरण कराया है। इस वर्ष का विषय है एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग। इसी क्रम में आज नई दिल्ली में आकाशवाणी के रंग भवन में कार्यस्थल पर योग कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आकाशवाणी की महानिदेशक डॉ. प्रज्ञा पालीवाल गौड़ और अतिरिक्त महानिदेशक एल. मधु नाग ने भी हिस्सा लिया।
